# विद्युत् प्रसारण आयोजना कार्यान्वयन और वन क्षेत्र मे परेवाला प्रभाव कुछ सामान्य प्रश्नोत्तर

MILLENNIUM CHALLENGE CORPORATION
UNITED STATES OF AMERICA

**१. एमसिए-नेपाल के विद्युत् प्रसारण आयोजना के खातिर सामुदायिक वन के जमिन काहे जरूरत परल बा ?**

प्रसारण टावर बनावे और प्रसारण लाइन के जायवाला मार्ग (राइट अफ वे) के खातिर जमीन के जरुरत होत बा। एमसिए-नेपाल सकभर वन क्षेत्र के न्युनतम प्रयोग करे के प्रयास मे लगल बा। इकरे बावजुद सामुदायिक वन और कबुलियति वनसहित के कुछ वन क्षेत्र के प्रयोग करे के बाध्यकारी अवस्था रहल बा।

**२. सामुदायिक वन बचाके आयोजना के आगे बढावे के कवनो उपाय बाकी बा कि ?**

नाही बा। वातावरण प्रभाव मुल्याङ्कन अध्ययन करत के हरेक सम्भव विकल्प के खोजी भईल रहल। सामुदायिक वन और कबुलियती वनसहित के कुछ वन क्षेत्र के बिना प्रयोग के हई आयोजना के तयार कइ पावल असम्भव बा।

**३. विद्युत् प्रसारण आयोजना से सामुदायिक वन के उपभोक्ता के उपर परेवाला नकरात्मक प्रभाव का का हो सकला?**

तीन किसिम के नकरात्मक प्रभाव परल बा। पहिले, पसारण टावर बनावे खातिर जमीन प्रयोग करे के नाते वन क्षेत्र घट जाई। दुसर, पेड के उपरी भाग और प्रसारण तार के बीचे कायम होखेवाला दुरी के नाते वहि रास्ता मे परे वाला जमिन बरहन पेड लगावे के स्थायी रुप से रोक लाग जाई। तीसर, प्रसारण टावर के द्वारा समेटा जाय वाले वन क्षेत्र के हरेक पेड और रास्ता मे परे वाला बरहन पेडन के बाध्यकारी रुप से कटान कराबे जरुरी होय के नाते वनस्पति के सङ्ख्या और जैविक विविधता कुछ मात्रा मे सही घटी जै है।

**४. सामुदायिक वन पर आश्रित प्रभावित परिवारन का आयोजना से कइसन विकल्प और सहयोग उपलब्ध करावल जाई ?**

यहि आयोजना के द्वारा आयोजना से प्रभावित घरपरिवार के हरे क सदस्य के जीविकोपार्जन पर परेवाला हर किसिम के प्रभाव के अध्ययन और मूल्याङ्कन करावल जाई। घरपरिवार के जीविकोपार्जन के खातिर कृषि वा सीपमुलक कार्यक्रम के माध्यम से पुनःस्थापित करेके बा। प्रतिस्थापन करे के लक्ष्य आयोजना के द्वारा लिहलबा और येकरे खातिर सामुदायिक वा कबुलियती वन पर आधारित घर परिवार के जीविकोपार्जन सबसे अच्छा तरीका से कइसै प्रतिस्थापन कइ सकलजाला येहि बारे मे हरेक सामुदायिक/ कबुलियती वन उपभोक्ता समुह से राय/मशवर कैल सकल जाला एहि के बारे में हरेक सामुदायिक/कबुलियती वन उपभोक्ता समुह से राय/मशावरा कईल जाई।

परामर्श के वाद आयोजना के द्वारा सामुदायिक तह के हक अउर जीविकोपार्जन पुनःस्थापना योजना तयार होई। उहे योजना तर्जुमा के क्रम में ईहे समय कायम वनस्रोत के प्रयोग अउर वइसने स्रोत पे आयोजना से परेवाला प्रभाव के सामिल करावल जाई।

**५. सामुदायिक/कबुलियती वन के पेड कटान कइले वापत यी वन का पई है ?**

आयोजना के द्वारा कटान कईल पेडन के सम्बन्धित सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह/कबुलियती वन उपभोक्ता समुह के नेपाल सरकार के वन नियमावली अनुसार हस्तान्तरित कइल जाई। साथैसाथ आयोजना के नाते परल नकारात्मक प्रभाव के बदले आयोजना के द्वारा सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह/कबुलियती वन उपभोक्ता समुह के जिविकोपार्जन पुनःस्थापना कार्यक्रम अउर क्षतिपूर्ति के अन्य उपयुक्त तरिका से क्षतिपूर्ति उपलब्ध कईल जाई।

**६. पेड काटेके एवज में केतना पेड कहाँ अउर कब लगावल जाई ?**

आयोजना से काटल गईल हरेक पेड के एवज में १० ठउरा नवाँ पेड लगावल जाई। यी वृक्षारोपण नेपाल सरकार के वन नियमावली अनुसार वन तथा भूसंरक्षण विभाग के द्वारा तोकल वन क्षेत्र मे कईल जाई।

**७. प्रभावित सामुदायिक वन भर मे पाए जायवाले स्थानीय जात के पेडन के सोध भर्ना कइसे कईल जाई ?**

क्षतिपूर्ति स्वरुप कईल जाएवाला वृक्षारोपण के क्रम में स्थानीय जात के पेडन के प्राथमिकता दिहल जाई।

**८. वन विनास से प्रभावित होखेवाला स्थानीय वातावरणीय, सामाजिक, आर्थिक अउर जैविक विविधता के कइसे सम्बोधित कईल जाई ?**

सामाजिक अउर आर्थिक नकारात्मक प्रभाव के क्षतिपूर्ति करे खातिर जिविकोपार्जन पुनःस्थापना कार्यक्रम चलावल जाई। वातावरण अउर जैविक विविधता पे परेवाला नकारात्मक प्रभाव के कम से कम करे खातिर क्षतिपूर्ति के रुप मे वृक्षारोपण कईल जाई।

**९. वन कटानी के क्षतिपूर्ति स्वरूप कईल जाए वाला वृक्षारोपण कहले जैसन अउर समयसीमा के भितरे कईल जाई, एकर प्रत्याभूति (ग्यारेन्टी) कइसे होइ ?**

एमसिए-नेपाल अपने वातावरणीय प्रभाव मूलङ्कन प्रतिवेदन में क्षतिपूर्ति स्वरुप वृक्षारोपण करे के सम्बन्ध में स्पष्ट रुप से प्रतिवद्धता व्यक्त कइले बा। वातावरणीय प्रभाव मूल्यांकन प्रतिवेदन में भईल प्रतिवद्धाता पालन करे के प्रत्याभूति के खातिर उहे प्रतिवेदन में एक सशक्त अनुगमन संयन्त्र सामिल कईल बा।

**१०. एमसिए-नेपाल के कार्यक्रम (एमपीपी) के अर्थ का बा? अइसे सामुदायिक वन उपभोक्ता समुदाय कइसे लाभान्वित होइ सकत हैं ?**

एमसिए-नेपाल साझेदारी कार्यक्रम (एमपीपी) विद्युत के विश्वासी स्रोत तक पहुँच बढाई कै और उत्पादनशील उद्देश्य के खातिर विद्युत के प्रयोग बढाई के प्रभावित समुदायन का विद्युत् प्रसारण आयोजना के लाभ प्रत्यक्ष रुप में उपलब्ध कराबै के उद्देश्य से तैयार कईल लाभ आदानप्रदान कार्यक्रम बा। यहि कार्यक्रम में ग्रीड विस्तार, बिजुली के लट्ठा प्रतिस्थापन, ट्रान्सफर्मर प्रतिस्थापन, कण्डक्तर प्रतिस्थापन, घरधुरी, विद्यालय और अस्पताल का गैर-ग्रीड सहयोग के साथै लिफ्ट खानेपानी आपूर्ति योजना जइसन कार्यक्रम समेटल बा।

**११. एमसिए-नेपाल के कार्यक्रम में स्थानीय लोग रोजगारी पइहैं कि नाहीं ?**

पइहैं। आयोजना निर्माण अवधि के भीतर करिब ७३०० पूर्णकालीन रोजगारी सिर्जना होई। वहि मध्ये करिब ८० प्रतिशत रोजगारी स्थानीय वासिन्दा से आपुर्ति कइल जाई। आयोजना कार्यान्वयन के चरण में करिब दुई सय पूर्णकालीन नियमित रोजगारि सिर्जना होई।

**१२. कटा पेडन के स्वामित्व केकरे साथे रही ? सम्बन्धित सामुदायिक/कबुलियती वन येकां प्रयोग करै पइहै कि नाही ?**

कटा पेडन के स्वामित्व सम्बन्धित सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह/कबुलियती वन उपभोक्ता समूह के साथे रही।

**१३. सामुदायिक वन में संरक्षित जैविक विविधता के व्यवस्थापन के खातिर आयोजना का का करै कै सोच बनौले बा ?**

जैविक विधिता के संरक्षण के खातिर निम्न लिखित क्रियाकलाप चलावा ल जाई।

- पेड कटान सम्बन्धी सुरक्षा मापदण्ड पालना करै खातिर जरुरी पेडन के कटान तक सीमित बनावल जाई।
- आयोजना के द्वारा कटा हरेक पेड के खातिर १० ठउर पेड लगावल जाई,
- प्रभावति क्षेत्र में स्थानिय/अनाक्रमक प्रजाति के वनस्पति फिरसे लगावल जाई
- विद्युत प्रसारण आयोजना के निर्माण कार्य से प्रभावित क्षेत्र में वनस्पति के कवनो आक्रामक प्रजाति है कि नाही पता लगाई कै मिले पर हटावल जाई,
- चिडियनका तार से लडै कै सम्भावना न्यूनीकरण करै खातिर दृश्यात्मकता बढाबै वाले सामग्री लगाव साथे ऊ सबके देखरेख कइल जाई।
- पशुपंक्षी के शिकार के रोकै खातिर कामदार और समुदाय के खातिर चेतनामूलक कार्यक्रम चलावै के साथै आचारसंहिता लागू कैल जाई।
- आगलागी नियन्त्रण के खातिर आगलागी व्यवस्थापन योजना कार्यान्वयन कइल जाई।
- प्रसारण लाइन क्षेत्र के भीतर वहि भइल गैरकाष्ठ वन पैदावार के साथे छोट प्रजाति के वनस्पतिन के प्रवर्द्धन कईल जाई।

**१४. सामुदायिक वनके भित्तर रहा धार्मिक सम्पदा, जलस्रोत के संरक्षण और व्यवस्थापन के सम्बन्ध में आयोजना के का कइसन कार्यक्रम बा ?**

आयोजना के प्रसारण लाइन जाइ वाले रास्ता का अन्तिम रुप देत के समय धार्मिक और सांस्कृतिक सम्पदा के साथे सामुदायिक/कबुलियती बन में रहल जलस्रोत का अछुता रखल बा। भविष्य में उहे रास्ता में कवनो धार्मिक और सांस्कृतिक सम्पदा मिले पर आयोजना खुद सम्बन्धित सामुदायिक वन उपभोक्ता वन उपभोक्ता समूह/कबुलियती वन उपभोक्ता समूह से परामर्श कइकै प्रभाव न्यूनीकरण के खातिर उपयुक्त पहल कइकै कार्यान्वयन करी।

**१५. ईएमएफ के अर्थ का होय ?**

ईएमएफ के अर्थ "विधुतिय और चुम्बकीय क्षेत्र" बा। विद्युत प्रसारण होयवाला तार यइसन क्षेत्र सिर्जना कइ सकत है।

**१६. प्रसारण लाइन से सिर्जना होयवाले ईएमएफ से स्वास्थ्य में का कइसन प्रभाव पर सकत है ?**

ईएमएफ से जनस्वास्य में परेवाला प्रभाव के बारे में विश्व विगत मे तीस वर्ष से अध्ययन होत है। वहि अध्ययन के निष्कर्ष के अनुसार ईएमएफ के सम्पर्क से कवनो रोग नाही लागत है स्वास्थ्य में आउर प्रभाव नाही परी। प्रसारण लाइन से निकरै वाले चुम्बकीय क्षेत्र बहुते कमजोर होत है। और ऐसे मनई के स्वास्थ्य में कवनो प्रभाव नाही परत। एकर साथै घर, देवाल, पेड आउर चीज चुम्बकीय क्षे त्र के फइलाव में रोकावट पयदा करत है। यहि सम्बन्धि अध्ययन से पता चला तथ्यनका विश्व स्वास्थ्य सङ्ठन सहित के अलग अलग संस्था के कइयौं विशेषज्ञ समूह समीक्षा कइले बा। अध्ययन से मिला तथ्यन के आधार ईएमएफ के नाते मानवीय स्वास्थ्य मे प्रभाव परै के वातिका प्रमाणित करे खातिर प्रर्याप्त न होय के निष्कर्ष ऊ विशेषज्ञ समूह ठहर कईले बा। एकरे बावजूद यइसने चुम्बकीय क्षेत्र के सर्म्पक का कम करै के सामान्य प्रयास करब उचित हो य के सुझाव ऊ लोग देले बा। पूर्व सावधानी के रुप में नेपाल के विद्युत नियमावली में ४०० केभी प्रसारण लाइन के मार्गाधिकार क्षेत्र (रास्ता) से २३/२३ मिटर तक आवासीय भवन बनावे में रोक लगावल बा।

**१७. ४०० केभी प्रसारण टावर के खातिर केतना जमीन चाही ?**

एक ४०० केभी प्रसारण टावर के खातिर लगभग ४०० वर्गमिटर जमीन करीब एक रोपनी (५०८.७४ वर्गमिटर) अयर तराइमे करीब २ कट्ठा चाही।

**१८. ४०० केभी प्रसारण लाइन के मार्गाधिकार (रास्ता) के खातिर केतना जमीन चाही ?**

४०० केभी प्रसारण लाइन कै मार्गाधिकार ४६ मिटर (प्रसारण लाइन के मध्यविन्दु के दहिने २३ मिटर ओर बाये २३ मिटर) रही।

**१९. प्रसारण लाइन के नाते केर चिर्री (चट्याङ) पडी ?**

अइसन नाही होत है। वास्तव में एकरे ठीक उल्टा होत है। वरहन प्रसारण टावर में रहा शिल्ड वायर से उत्सर्जित (निकरा) करेण्ट का खीचि कै भुई के ओर मोडि देत है औ एकरे नाते आसपास के क्षेत्र में चिर्री से होयवाले क्षति के सम्भावना घटि जात है।

**२०. प्रसारण लाइन के नीचे सामुदायिक/कबुलियती वन में काम करत करेण्ट लागे के जोखिम बा कि नाही ?**

अइसन जोखिम लगभग नाहिन होत बा। प्रसारण लाइन के तार पेड से उपर होत है और तार टुटे के सम्भावना बहुतै कम होत है।


**सम्पर्कका लागि :**

**मिलेनियम च्यालेञ्ज एकाउण्ट नेपाल विकास समिति (एमसिए-नेपाल)**

लालदरबार सम्मेलन केन्द्र, याक एण्ड यति परिसर, दरबार मार्ग, काठमाडौं, नेपाल

+९७७-१-४५४०९५१ | info@mcanp.org | www.mcanp.org


*विद्युत् तथा सडकमा सहज पहुँचमार्फत आर्थिक विकास*